यूपी बोर्ड परीक्षा मॉडल प्रश्नपत्र- 2023

सामान्य हिंदी

कक्षा 12 [केवल प्रश्न पत्र]

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 100

निर्देश – (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

1. 'वर्ण रत्नाकर' के रचनाकार हैं-

(क) मथुरानाथ शुक्ल

(ख) दौलतराम

(ग) रामप्रसाद निरंजनी

(घ) ज्योतिरीश्वर ठाकुर।

2. निम्नलिखित नामों में से कौन-सा लेखक 'खड़ीबोली' गद्य का प्रारम्भिक लेखक है-

(क) रामप्रसाद निरंजनी

(ख) सदल मिश्र

(ग) पं० दौलतराम

(घ) राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द' |

3. 'फोर्ट विलियम' कॉलेज कहाँ स्थित था-

(क) आगरा

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Free Download Files PDF All For Visit www.gyansindhuclasses.com : Visit Please Arunesh Sir - : By Sanskrit & Hindi Channel YouTube Classes Coaching Gyansindhu

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(ख) मद्रास

(ग) कलकत्ता

(घ) पूना।

4. श्रृंगार रस - मण्डन' के रचयिता हैं-

(क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ख) महादेवी वर्मा

(ग) गोसाईं विट्ठलनाथ

(घ) राधाचरण गोस्वामी ।

5. 'सुखसागर' के लेखक हैं-

(क) लल्लूलाल

(ख) मुंशी सदासुखलाल

(ग) इंशा अल्ला खाँ

(घ) सदल मिश्र ।

6. हिन्दी साहित्य के आदिकाल के लिए 'सिद्ध सामन्तकाल' नाम दिया है-

(अ) राहुल सांकृत्यायन ने

(ब) रामचन्द्र शुक्ल ने

(स) रामकुमार वर्मा ने

(द) डॉ० नगेन्द्र ने।

7. मैथिलीशरण गुप्त की रचना में राष्ट्रप्रेम की भावना परिलक्षित होती है—

(अ) भारत भारती में

(ब) जयद्रथवध में

(स) साकेत में

Visit For All PDF Files Download Free www.gyansindhuclasses.com Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Please Visit Arunesh Sir By : - Sanskrit & Hindi YouTube Channel Gyansindhu Coaching Classes
Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(द) पंचवटी में।

8. सूरसागर' के वर्ण्य विषय का आधार है—

(अ) श्रीमद्भागवत

(ब) विष्णुपुराण

(स) केनोपनिषद्

(द) मनुस्मृति ।

9. लहर' के रचनाकार हैं- -

(अ) जयशंकरप्रसाद

(ब) गिरिजाकुमार माथुर

(स) हरिवंशराय बच्चन

(द) सुमित्रानन्दन पन्त ।

10. 'परमाल रासो' किस काल की रचना है-

(अ) आदिकाल

(ब) भक्तिकाल

(स) रीतिकाल

(द) आधुनिककाल |

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए !

भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनन्तकाल से है। उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्त्तव्य है। भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जागरूक होंगे, उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी। यह पृथिवी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है। जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी वह

निर्मूल होती है। राष्ट्रीयता की जड़ें पृथिवी में जितनी गहरी होंगी, उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा। इसलिए पृथिवी के भौतिक स्वरूप की आद्योपांत जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुन्दरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना आवश्यक धर्म है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) देवताओं द्वारा निर्मित भूमि के प्रति मानव-जाति का क्या कर्त्तव्य है ?

(ग) पृथ्वी के प्रति हमारा क्या धर्म है?

(घ) राष्ट्र भूमि के प्रति हमारा आवश्यक कर्त्तव्य क्या है?

अथवा

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था। सुन्दरियों के आसिंजनकारी नूपुरवाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था, कोमल कपोलों पर कर्णावतंस के रूप में झूलता था और चंचल नील अलकों की अचंचल शोभा को सौ गुना बढ़ा देता था। वह महादेव के मन में पैदा करता था, मर्यादा पुरुषोत्तम के चित्त में सीता का भ्रम पैदा करता था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कन्धे पर से ही फूट उठता था।

(क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) अशोक का अत्यधिक वर्णन करके उसे तत्कालीन समाज में सम्मानित स्थान किसने दिलाया?

(घ) अशोक के प्रति महादेव का हृदय किस कारण क्रोध से भर गया था?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश में 'मनोजन्मा देवता' किसे कहा गया है?

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए !

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,
पर, अबलाजन के लिए कौन-सा पथ है?
यदि मैं उकसाई गई भरत से होऊँ,
तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ ।
ठहरो, मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो,
पाओ यदि उसमें सार उसे सब चुन लो ।
करके पहाड़-सा पाप मौन रह जाऊँ?
राईभर भी अनुताप न करने पाऊँ?"
थी सनक्षत्र शशि-निशा ओस टपकांती,
रोती थी नीरव सभा हृदय थपकाती।
उल्का-सी रानी दिशा दीप्त करती थी,
सबमें भय - विस्मय और खेद भरती थी।
'क्या कर सकती थी, मरी मन्थरा दासी,
मेरा ही मन रह सका न निज विश्वासी ।

(क) पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) "दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है ।" इस पंक्ति में निहित भाव स्पष्ट कीजिए।

(घ) अपनी बात को प्रमाणित करने के लिए कैकेयी के पास एकमात्र क्या उपाय था?

(ङ) अपने पाप और पश्चात्ताप के सन्दर्भ में कैकेयी ने क्या कहा ?

अथवा

और देखा वह सुन्दर दृश्य

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

नयन का इन्द्रजाल अभिराम;
कुसुम - वैभव में लता समान -
चन्द्रिका से लिपटा घनश्याम;
हृदय की अनुकृति बाह्य उदार
एक लम्बी काया, उन्मुक्त;
मधु पवन क्रीड़ित ज्यों शिशु साल
सुशोभित हो सौरभ संयुक्त ।

(क) पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) जब मनु ने कुतूहलवश ऊपर की ओर देखा तो उन्हें क्या दिखाई दिया?

(घ) श्रद्धा के प्रति मनु की प्रतीति को कवि ने एक लता और बादल के टुकड़े के रूप में किस प्रकार व्यक्त कराया है?

(ङ) इस काव्यांश में कवि ने श्रद्धा के किन गुणों को दर्शाया है?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय, रचनाओं और भाषा शैली का उल्लेख कीजिए- (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(iii) पं0 दीनदयाल उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं तथा भाषा-शैली का उल्लेख कीजिए- (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(i) जयशंकरप्रसाद

(ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Free Download Files PDF All For Visit www.gyansindhuclasses.com Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

(iii) महादेवी वर्मा।

6. 'बहादुर' कहानी की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

कहानी के प्रमुख तत्वों के आधार पर 'पंचलाइट' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी का विवेचन कीजिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के प्रश्न का उत्तर दीजिए- (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के उद्‌देश्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(iii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(iv) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की राष्ट्रीयता और देशभक्ति सम्बन्धी भावनाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की पात्र योजना एवं चरित्र चित्रण को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

(vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गांधी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच — मैत्रेयि! उद्यास्यन् अहम् अस्मात् स्थानादस्मि। ततस्तेऽनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति। मैत्रेयी उवाच - यदीयं सर्वा पृथ्वी वित्तेन पूर्णा स्यात् तत् किं तेनाहममृता स्यामिति। याज्ञवल्क्य उवाच- नेति।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तम्। सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन्। चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंहं राजानमकुर्वन्। ततः शकुनिगणाः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च। अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति। अराजको वासो नाम न वर्तते। एको राजस्थाने स्थापयितव्यः' इति उक्तवन्तः। अथ ते परस्परमवलोकयन्तः एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन्।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ॥

अथवा

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए -

(क) अधजल गगरी छलकत जाए

(ख) अन्न जल उठना

(ग) आंखों पर चर्बी छाना

(घ) आंखें चार होना आंखें दो चार होना

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. 'रवीन्द्रः ' का सन्धि-विच्छेद है-

(अ) रवी + इन्द्रः

(ब) रवि + इन्द्रः

(स) रवि + इन्द्रः

(द) रवी + इन्द्रः ।

2. 'इत्यादि' का सन्धि-विच्छेद है-

(अ) इति + आदि

(ब) इत्य + आदी

(स) इत + आदि

(द) इती + आदि।

3. नायकः ' का सन्धि-विच्छेद होगा-

(अ) नै + अक:

(ब) ना + यक:

(स) न + आयकः

(द) नाय + कः ।

(ख) (i) 'नाम्ने' में विभक्ति और वचन है-

(अ) पञ्चमी, एकवचन

(ब) चतुर्थी, एकवचन

(स) षष्ठी, एकवचन ।

(ii) 'आत्मना' शब्दरूप है आत्मन् के-

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन का

(ब) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन का

(स) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन का

(द) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन का ।

11. (क) सही विकल्प चुनकर अर्थों का अन्तर स्पष्ट कीजिए –

1 . अन्न - अन्य

(क) अनाज और दूसरा

(ख) भोजन और अनेक

(ग) गेहूँ और वह

(घ) बेकार और दूसरा ।

2. अयश - अयस

(क) बदनामी और बुराई

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Free Download Files PDF All For Visit www.gyansindhuclasses.com : Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Please Visit Arunesh Sir By : - Sanskrit & Hindi Channel YouTube Classes Coaching Gyansindhu

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(ख) कीर्ति और प्रसिद्धि

(ग) बदनामी और लोहा

(घ) लोहा और इस्पात ।

(ख) (i) 'करि' शब्द के सही अर्थ को चुनकर लिखिए-

(क) हाथी (ख) सूँड़वाला

(ग) करनेवाला (घ) चोर।

(ii) 'मुद्रा' का सही अर्थ है-

(क) सोना (ख) रत्न

(ग) नृत्य (घ) आकृति ।

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए-

1. जो ईश्वर में विश्वास करता है-

(क) नास्तिक (ख) स्मरणीय

(ग) विश्वसनीय (घ) आस्तिक ।

2. अनुकरण करने योग्य-

(क) अनुकरणीय (ख) अमर

(ग) अजर (घ) अक्षय ।

(घ) सही उत्तर विकल्प का चयनकर उत्तर दीजिए-

(i) 'मैं स्वामीजी का दर्शन करूँगा' वाक्य का शुद्ध रूप हैं-

(अ) मैं दर्शन करूँगा स्वामीजी का ।

(ब) स्वामीजी के दर्शन करूँगा मैं।

(स) दर्शन स्वामीजी के करूँगा मैं।

(द) मैं स्वामीजी के दर्शन करूँगा।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(ii) 'आपका <u>स्वास्थ</u> कैसा है?' में रेखांकित का शुद्ध रूप होगा-

(अ) स्वथ्य (ब) स्वास्थ्य

(स) स्वास्थ (द) इनमें से कोई नहीं।

12. (क) '**हास्य**' रस अथवा **करुण** रस की परिभाषा लिखिए और उसका एक उदाहरण भी दीजिए।

(ख) **श्लेष** अलंकार' अथवा **'रूपक'** अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण भी दीजिए।

(ग) '**चौपाई**' छन्द अथवा **'रोला'** छन्द का लक्षण लिखते हुए उसका एक उदाहरण भी दीजिए।

13. किसी इण्टरमीडिएट कॉलेज में लिपिक के रिक्त पद पर अपनी नियुक्ति हेतु उस कॉलेज के प्रबन्धक को एक आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपने गाँव में स्वच्छता एवं सफाई हेतु अपने क्षेत्र के उप-जिलाधिकारी को एक प्रार्थनापत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए-

(क) भारतीय किसानों की समस्याएँ

(ख) नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-

(ग) पर्यावरण संरक्षण

(घ) मेरा प्रिय कवि

(ङ) भ्रष्टाचार : कारण एवं निवारण।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free